सेवा में,

श्रीमान आर. एस. शर्मा, चेयरमैन, ट्राई

महानगर दूरदर्शन भवन,

जवाहरलाल नेहरू मार्ग (ओल्ड मिंटो रोड)

नई दिल्ली - 110002

श्रीमान,

आज के दौर में जबकि सारी दुनिया बात करने के लिए डाटा का प्रयोग कर रही है, आई. यू. सी- जो की एक पुराने समय का विषय है- का आज के समय में होना सही नहीं है I यदि ट्राई इसे लागू रखने के लिए विचार कर रहा है, तो यह भारत को फिर से प्राचीन काल की तरफ ले जाना होगा I

आज के दौर में आई. यू. सी केवल 2G और 3G नेटवर्क को अपने अक्षमता के लिए प्रोत्साहित करता है I आई. यू. सी (IUC) चार्जेस लगाने का अर्थ है उस उपभोक्ता को सज़ा देना जो आज के समय में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर 4G इस्तेमाल कर रहा है I उसे सिर्फ इसलिए ज़्यादा पैसे के लिए दण्डित करना क्यूंकि वो सबसे सफल 4G तकनीक का प्रयोग कर रहा है और डाटा पे बात कर रहा है, गलत है I जबकि 4G आज भी सबसे उत्तम, सक्षम और जीरो टर्मिनेशन कॉस्ट वाली तकनीक है I

इन सब बातों के चलते ट्राई का आई. यू. सी (IUC) को लागू रखने के बारे में पुनः विचार करना अकथनीय है, जबकि ट्राई ने दो साल पहले यह घोषित किया था की 01 .01 .2020 से आई. यू. सी (IUC) चार्जेस पूरी तरह हटा दिए जायेंगे I आई. यू. सी (IUC) का रहना देश में उत्तम तकनीक, प्रगति और सकारात्मक पहल को बाधित करेगा क्यूंकि वो पुराने तकनीक 2G और 3G को रियायत देकर बढ़ावा देती है I इसका हटना बहुत आवशयक है क्यूंकि यह उपभोक्ता को पुराने काल के तरफ ले जाती है I

ट्राई को यह सुनिश्चित कराना चाहिए की जितने भी टेलीकॉम ऑपरेटर्स पुराने तकनीक का प्रयोग कर रहे हैं उन तकनीकों का अत्यधिक खर्चे का वहन उन कंपनियों को ही करना चाहिए, नाकि सरकार को उन तकनीकों पे आई. यू. सी के द्वारा सब्सिडी देकर अनावश्यक खर्चा वहन करना चाहिए I

भवदीय,

24/10/19

प्रबंधक

श्री राम [illegible]

संस्कृत विद्यापीठ नांदी

चित्रकूट — उ० प्र०

Scanned by CamScanner